पंचांग श्रवण एवं लोकार्पण

दिनांक 01.04.2022

ज्योतिष शास्त्र को वेदों का अंग माना गया है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को भारतीय नव संवत्सर का प्रारंभ होता है | संवत्सर के प्रारंभ में किए जाने वाले धार्मिक कार्यों में पंचांग श्रवण की परंपरा रही है। पंचांग श्रवण हेतु ज्योतिष शास्त्र का ज्ञान आवश्यक है। पंचांग श्रवण की फलश्रुति विभिन्न शास्त्रों में वर्णित की गई है। महाविद्यालय में प्रतिवर्ष पंचांग श्रवण की परंपरा निरंतर चली आ रही है। इस परंपरा का निर्वहन करते हुए सत्र 2022 में पंचांग श्रवण एवं लोकार्पण का कार्यक्रम किया गया| उक्त कार्यक्रम में अनंत विभूषित पीठाधीश्वर स्वामी राम रतन दास जी महाराज अयोध्या, सुख संप्रदायचार्य महाराज अलबेली शरण महाराज, बाल मुकुंद आचार्य महाराज जयपुर, अंजन कुमार गोस्वामी महाराज, श्री सुदर्शन आचार्य जी महाराज एवं अवधेशाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में पंचांग श्रवण संस्था के प्राचार्य प्रो. भास्कर शर्मा द्वारा किया गया| उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव संस्कृत शिक्षा श्री पवन कुमार गोयल एवं विशिष्ट अतिथि श्री मोहम्मद सलीम खान शासन सचिव संस्कृत शिक्षा, सारस्वत अतिथि प्रो. विनोद शास्त्री पूर्व कुलपति ज.रा.रा. संस्कृत विश्व. जयपुर एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ दीरधराम रामस्नेही पूर्व निदेशक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रो. भास्कर शर्मा प्राचार्य ने विद्वानों का स्वागत किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संस्था के आचार्य प्रोफेसर शालिनी सक्सेना ने प्रदान किया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के ज्योतिष विभाग द्वारा डॉ. आलोक शर्मा एवं डॉ रवि शर्मा के नेतृत्व में संपादित किया गया|

सम्मन्वयक
IQAC

Prof. Shalini Saxena
Convener-IQAC
Govt. Maharaj Acharya Sanskrit
College, Jaipur (Raj.) 302013

भारतीय नूतनवर्ष 2079 के स्वागत में

पञ्चाङ्ग-श्रवण
एवं
लोकार्पण

01 अप्रैल 2022, मध्याह्न 11:30 बजे

आयोजक एवं आयोजन स्थल :

ज्योतिष विभाग

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

महात्मा गाँधी मार्ग, जयपुर - 302015 (राज.)

दूरभाष : 0141-2706608 ई-मेल : maharaj.college@gmail.com

भारतीय नूतनवर्ष 2079 के स्वागत में
पंचांग श्रवण एवं लोकार्पण
01 अप्रैल 2022, मध्याह्न 11:30 बजे
प्राचार्य एवं संयुक्त निदेशक
प्रोफेसर भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'
ज्योतिष विभाग
राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
प्रभारी-प्राचार्य
प्रोफेसर शालिनी

भारतीय नूतनवर्ष 2079 के स्वागत में
पंचांग श्रवण एवं लोकार्पण

: प्राचार्य एवं संयुक्त निदे
प्रोफेसर भास्कर शर्मा